साप्ताहिक
# युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-09 अंक-105 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

## महिला या पुरुष यदि अपनी मर्जी से कहीं भी ठहरते हैं या होटल में रुकते हैं, तो वह कोई अपराध नहीं होगा जानिए

कोई भी वयस्क महिला या पुरुष यदि अपनी मर्जी से कहीं भी ठहरते हैं या होटल में रुकते हैं, तो पुलिस बिना किसी ठोस कारण के जांच नहीं कर सकती। यह निजता के अधिकार और संवैधानिक स्वतंत्रता के तहत के तहत उनका अधिकार है,सहमति से साथ रहना या होटल में ठहरना कानूनन अपराध नहीं है। बिना शिकायत या ठोस आधार के पुलिस कार्रवाई अनुचित मानी जाएगी जानिए । अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के अपराध में पीड़ित (महिला) को आरोपी न बनाए जाने के संबंध में । प्रायः देखने में आ रहा है कि कुछ जिलों द्वारा अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत पंजीबद्ध अपराध में होटल एवं ढाबों के संचालकों द्वारा पैसा लेकर होटल एवं ढाबों के कमरों को, वैश्यालय के रूप में चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा दबिश उपरान्त बरामद की गई महिला को आरोपी बनाया जाता है। उक्त संबंध में महिला (सेक्स वर्कर) के साथ पीड़ित / शोषित के जैसे व्यवहार करने हेतु पूर्व में भी लेख किया गया है। जिस तारतम्य में पुलिस मुख्यालय के परिपत्र कमांक पुमु/मसु/डब्ल्यू-8/873/23 दिनांक 21.09.2023 के माध्यम से एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय क्रिमिनल अपील कंमाक 135/2010 बुद्धदेव कर्मास्कर विरूद्ध पश्चिम बंगाल राज्य एवं अन्य में पारित आदेशानुसार वैश्यालयों पर दबिश की दशा में स्वैच्छिक लैंगिक कार्य अवैध नहीं है। केवल वैश्यालय चलाना अवैध है, सेक्स वर्कर को गिरफ्तार दंडित अथवा परेशान नहीं करना चाहिए। अतः उपरोक्त दिशा-निर्देशों का अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के अपराध में सुदृढ़ता एवं कढ़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करें।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरिद्वार में संत सम्मेलन को किया संबोधित

# भारत को हिंदुत्व पर गर्व है और हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति को नए आयाम तक पहुंचाने में आदि शंकराचार्य का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का विशेष संबंध रहा है। वैचारिक स्तर पर भारत को हिंदुत्व पर गर्व है, हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है। सनातन की धारा शाश्वत रूप से बहती रहे, इस उद्देश्य से संतवृंद और सरकार समन्वित रूप से प्रयासरत है। हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा स्थापित भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का संचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरुदेव समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह के अंतर्गत संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

**संत महात्माओं को दिया सिंहस्थ-2028 का निमंत्रण**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि शंकराचार्य जी की परंपरा के संवाहक, वैदिक सनातन संस्कृति के उन्नायक, देश के प्रथम भारत माता मंदिर के संस्थापक पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं और विकास कार्यों पर ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संत महात्माओं को सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन पधारने के लिए निमंत्रण दिया।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि संतवृंद के आशीर्वाद से देश में पिछले वर्षों में हुआ बदलाव अद्भुत है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और तेजी से एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, वॉटरवेज, हाई स्पीड रेल, हाईवेज से देश की युवा शक्ति और अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिली है। देश की बहनें, किसान, युवा सभी समावेशी विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। सांस्कृतिक समृद्धि, विरासत संरक्षण और धार्मिक पर्यटन में भी पूरे राष्ट्र में एक नई चेतना जागृत हुई है।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगगुरू स्वामी रामदेव जी के साथ किया योगाभ्यास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की प्राचीन परंपरा से निकलकर वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है। हम सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, संतुलित व ऊर्जावान जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पतंजलि योगपीठ के वातावरण से प्रभावित होकर कहा कि योगपीठ का संस्कार, साधना और आत्मबल से परिपूर्ण वातावरण मन को अपार शांति प्रदान करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ हरिद्वार में भारत माता मंदिर में दर्शन, पूजन और यज्ञ में शामिल होकर सभी के मंगल एवं कल्याण की कामना की।

## Legal Advice - क्या छत पर पतंग उड़ाना भी अपराध है, FIR दर्ज हो सकती है, जेल जा सकते हैं, जानिए

कहने तो अजीब लग रहा है, लेकिन कानून में प्रावधान है कि यदि आप बिना परमिशन के पतंग उड़ाते हैं तो आप एक गंभीर अपराध को अन्जाम देते हैं इसके लिए आपको दो वर्ष की सजा एवं दस लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है जानिए इस विषय में कौन सा कानून क्या कहता है।

भारतीय विमान अधिनियम, 1934 की धारा 11 की परिभाषा (वर्ष 2008 के संशोधन के बाद)

अगर कोई व्यक्ति हवा में ऐसा कोई गुब्बारा, हवाई जहाज, ड्रोन कैमरा, पतंग, लालटेन, जल में जहाज, बिना अनुमति के चलाते हैं या आसमान में उड़ाते हैं जिससे की किसी व्यक्ति या संपत्ति जो जमीन, पानी या हवा में है, ख़तरा उत्पन्न होता है, तो यह एक गंभीर अपराध होगा।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

पतंग उड़ाने के लिए उकसाना भी गंभीर अपराध है

इसी प्रकार अधिनियम की धारा 12 कहती है कि कोई व्यक्ति बिना अनुमति के किसी को पतंग, ड्रोन कैमरा, हवाई जहाज, आदि उड़ाने या चलाने के लिए उकसाता है तो उकसाने वाला व्यक्ति भी इसी गंभीर अपराध का दोषी हो इसके लिए अपराधी को अधिकतम दो वर्ष की कारावास एवं दस लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

नोट– मैदान में पतंग उड़ाने की परमिशन व्यक्ति स्थानीय पुलिस थाने से भी ले सकता है और घर की छत पर पतंग उड़ाने की परमिशन उसे अपने पड़ोसियों अथवा संभावित प्रभावित व्यक्तियों से लेनी होगी। ?पतंग को इस अधिनियम में इसलिए रखा गया है कि पतंग उड़ाने वाला व्यक्ति धागे में मांझे का इस्तेमाल करता है जो व्यक्ति को गंभीर क्षति पंहुचा सकता है एवं बहुत से पक्षी भी इस मंजे वाले धागे का शिकार हो जाते हैं।

## संविधान हत्या दिवस के उपलक्ष्य में सेमिनार का आयोजन किया गया

**पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम ।**

दिनांक 31 जनवरी 2026 को संविधान हत्या दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ. राम कुमार चोकसे की अध्यक्षता में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय ÷संविधान सुरक्षा, संरक्षण एवं उत्पीड़न÷ रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अमिता जोशी एवं डॉ. रवि उपाध्याय रहे। डॉ. अमिता जोशी ने अपने संबोधन में संविधान की मूल भावना, नागरिक अधिकारों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा पर प्रकाश डाला। डॉ. रवि उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में संविधान की सुरक्षा एवं संरक्षण की आवश्यकता बताते हुए नागरिक उत्पीड़न को लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. राम कुमार चोकसे ने संविधान की गरिमा, उसकी रक्षा तथा वर्तमान समय में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

सेमिनार के संयोजक डॉ. के. जे. मिश्रा एवं सह-संयोजक डॉ. अपूर्वा वर्मा रहे।

कार्यक्रम में सदस्य के रूप में श्रीमती चंद्रप्रभा सोनी एवं हनीफा शेख उपस्थित रहीं। साथ ही डॉ. ममता गर्ग एवं डॉ. एस. के. उदयपुरे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक अश्वरे द्वारा किया गया। सेमिनार में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बौद्धिक वर्ग की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन संविधान की सुरक्षा, संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ किया गया।

# सभी शैक्षणिक संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधित हेल्पलाइन नंबर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए



**रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश**

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नर्दिश एवं राष्ट्रीय कार्यबल के अनुक्रम में शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन की अध्यक्षता में उच्च शक्षिण संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता सेमिनार का आयोजन वल्लभ भवन भोपाल में हुआ। सेमिनार में भोपाल जिले के शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के कुलसचिव, प्राचार्य एवं स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य शक्षिा, महिला बाल वकिास, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, नगरीय प्रशासन, मप्र निजी वश्विवदि्यालय वनियिामक आयोग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य वभिाग, संचालक राष्ट्रीय मानसकि स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर, पुलिस विभाग और जनसंपर्क वभिाग सहति हितधारक वभिागों के अधकिारी प्रतनिधि शामलि हुए। सेमिनार के दौरान अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थान सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की रोकथाम के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित हेल्पलाइन नंबर टेली मानस 14416, उमंग हेल्पलाइन 14425 एवं आपातकालीन नंबर 112 को अनिवार्य रूप से परिसर की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाए, जसिसे विद्यार्थियों को समय पर सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समय-समय पर जागरूकता संबंधी गतिविधियों का नियमित रूप से आयोजन किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग समय पर प्राप्त हो सके। किसी भी छात्र की आत्महत्या अथवा अप्राकृतिक मृत्यु की सूचना मिलते ही संबंधित शैक्षणिक संस्थान द्वारा तत्काल पुलिस को जानकारी देना अनिवार्य होगा, चाहे घटना संस्थान परिसर के भीतर हुई हो या बाहर। साथ ही, ऐसी घटनाओं की वार्षिक रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं संबंधित नियामक संस्थाओं को भी प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आवासीय शैक्षणिक संस्थानों में 24म7 आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए अथवा निकटतम एक किलोमीटर की परिधि में ऐसी सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लंबे समय से रिक्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पदों को चार माह की अवधि में भरने तथा आरक्षित वर्गों के पदों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए हैं। अपर मुख्य सचवि ने कहा कि छात्रों की सभी लंबित छात्रवृत्तियों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। छात्रवृत्ति में विलंब के कारण किसी भी छात्र को परीक्षा, कक्षा, हॉस्टल अथवा डिग्री/मार्कशीट से वंचित नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थानों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सभी बाध्यकारी विनियमों, विशेषकर रैगिंग निरोधक व्यवस्था, समान अवसर प्रकोष्ठ, आंतरिक शिकायत समिति एवं छात्र शिकायत निवारण तंत्र के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिया। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सभी शैक्षणिक संस्थाओं में काउंसलर की नियुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित विद्यार्थियों की समय पर पहचान के लिए प्रत्येक संस्थान में विशेष सेल का भी गठन किया जाए। इसके साथ ही जिला एवं संभाग स्तर पर विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों एवं अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। किसी भी जिले में बिना पंजीयन के कोई भी कोचिंग संस्था संचालित न हो, यह सुनश्चिति कयिा जाए। जिला स्तर पर नगिरानी के लएि प्रत्येक जलिे में जिला स्तर की नगिरानी समति का गठन भी कयिा गया है। सेमनिार के दौरान मानसकि स्वास्थ्य के संबंध मे वशिषज्ञों द्वारा मानसकि स्वास्थ्य से ग्रसति बच्चों में लक्षण की पहचान और बचाव के बारे में जानकारी दी गई।

# शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में शहीद दिवस एवं मतदाता दिवस पर एनएसएस के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित






**पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।**

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा शहीद दिवस एवं मतदाता दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में देशभक्ति एवं लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करना रहा। शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्य ने कहा कि शहीदों का बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया गया। इसी क्रम में मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने स्वयंसेवकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई, जिसके माध्यम से उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग रहने, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने तथा अन्य नागरिकों को भी मतदान हेतु प्रेरित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सुश्री अरुणिका जैन एवं डॉ. हरिप्रकाश मिश्र की गरिमामयी सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयंसेवकों में राष्ट्रभक्ति, शहीदों के प्रति सम्मान तथा मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

# महाशिवरात्रि: आस्था और कल्याण का पर्व

महाशिवरात्रि भारत में फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाने वाला हिंदुओं का अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है, जो शिव-पार्वती विवाह के रूप में पूरे भारत में अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के दिन यह माना जाता है कि भगवान शिव प्रथम बार शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए तथा पूजे गए थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन से निकले विष का भगवान महादेव ने पान किया था। विषपान करने से महादेव का गला नीला पड़ गया था। भारत में कण-कण में भगवान शिव शंकर को पूजा जाता है। भारत आस्था, मान्यता, उम्मीद और उमंग का देश है। भगवान शिव %भोलेनाथ% जन-जन के आराध्य हैं; वे सहज हैं, सरल हैं और शांति प्रदाता हैं। भगवान भोलेनाथ परम कल्याणकारी, मंगलकारी और कष्टहर्ता के रूप में सदैव जन-जन में पूजे जाते हैं। शिव परम योगी हैं, परम सत्य हैं और परम चेतना हैं। शिव की पूजा महाकाल स्वरूप में, भैरव स्वरूप में, नटराज स्वरूप में तथा अर्धनारीश्वर स्वरूप में भी की जाती है। नर्मदा नदी का हर कंकड़ शिव शंकर के रूप में पूजा जाता है। महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव का जल, दही, शहद, दूध, इत्र और पुष्प इत्यादि से अभिषेक तो किया ही जाता है, साथ ही बिल्वपत्र (बेलपत्र) और धतूरे के फल का अर्पण भी भोले शंकर को किया जाता है। इस दिन श्रद्धालु उपवास भी करते हैं। मध्य प्रदेश में महाकाल तीर्थ उज्जैन में स्थित है, जहाँ %जय भोले% के जयघोष से पूरा उज्जैन गुंजायमान हो उठता है। महाशिवरात्रि भगवान शिव की पूजा, उपवास तथा रात्रि जागरण के लिए विशेष है; इसे शिव की महान रात माना जाता है। महाशिवरात्रि भारत की राष्ट्रीय एकता के पर्व के रूप में भी मनाई जाती है। भारत के हर क्षेत्र और प्रांत के निवासी महाशिवरात्रि का पूजन अत्यंत धूमधाम से करते हैं तथा लोक-कल्याण और लोक-मंगल की कामना करते हैं।

# होटल या पब्लिक चेंजिंग रूम का शीशा असली है या स्पाई कैमरा?अपनी प्राइवेसी को लेकर रहें सतर्क

**रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश**




होटल और चेंजिंग रूम आज के समय की बड़ी जरूरत है । लेकिन किसी भी होटल में रुकने से पहले पब्लिक चेंजिंग रूम में छुपे हुए कैमरों से सावधानी रखना बहुत जरूरी है। यहाँ कुछ तरीके हैं जिनसे हमें होटल या चेंजिंग रूम में जाने से पहले, उसे अच्छी तरह से निरीक्षण करके देखना चाहिए कि कहीं कोई छुपा हुआ कैमरा तो नहीं है। दर्पण की जांच करें, कहीं वह दो-तरफा तो नहीं है। दो-तरफा दर्पण में कैमरा छुपा हो सकता है। छत की जांच करें, कहीं कोई छोटा कैमरा तो नहीं है। लाइट फिक्स्चर की जांच करें, वेंटिलेशन की जांच करें, कहीं कोई कैमरा तो नहीं है। अपने फोन का उपयोग करके चेंजिंग रूम में कैमरा ढूंढने की कोशिश करें। कई फोन में कैमरा डिटेक्टर ऐप होते हैं। अगर आपको कुछ संदिग्ध लगता है, तो तुरंत वहां से निकल जाएं। फिंगरनेल टेस्ट है, वह %टू वे मिरर% दो तरफा दर्पण पहचानने का सबसे पुराना और प्रभावी तरीका है। यहाँ इसके पीछे का विज्ञान और कुछ सावधानियां जैसे कि दर्पण की सच्चाई कैसे पहचानें गैप का विज्ञान साधारण शीशे में कांच के पीछे सिल्वर की कोटिंग होती है। जब आप शीशे पर नाखून रखते हैं, तो आपकी उंगली और उसकी परछाई के बीच कांच की मोटाई जितना गैप दिखता है। इसका मतलब है कि आप सुरक्षित हैं। सपाट परछाई अगर आपकी उंगली और परछाई के बीच कोई दूरी नहीं है और वे आपस में जुड़े हुए दिख रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। इसका मतलब है कि कोटिंग कांच के बिल्कुल ऊपर है और कोई दूसरी तरफ से आपको देख सकता है। अगर नाखून वाला टेस्ट संदेहास्पद लगे, तो बाथरूम की लाइट बंद करके शीशे पर टॉर्च जलाएं। अगर वह होगा, तो आपको दूसरी तरफ का नजारा या कैमरा लेंस दिखाई दे सकता है। इसके अलावा, शीशे पर उंगली से मारकर आवाज सुनें-खोखली आवाज खतरे का संकेत हो सकती है। सतर्कता ही सुरक्षा है। अगली बार किसी भी अंजान जगह पर रुकने से पहले यह छोटा सा टेस्ट जरूर करें। कुछ अन्य टिप्स जैसे चेंजिंग रूम में अपने फोन को अनलॉक न छोड़ें। अपने सामान को हमेशा अपने साथ रखें। अगर आपको लगता है कि आपके साथ कोई धोखाधड़ी हुई है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इन टिप्स का पालन करके, आप पब्लिक चेंजिंग रूम में छुपे हुए कैमरों से सावधानी रख सकते हैं।

# नए पंजीकरण अधिनियम 2025 के तहत संपत्ति दस्तावेजों का अनिवार्य ऑनलाइन अपलोडः आपको क्या जानने की आवश्यकता है

भारतीय सरकार ने संपत्ति लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ाने और भूमि रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ करने के उद्देश्य से पंजीकरण अधिनियम 2025 पेश किया है, जिसके तहत सभी संपत्ति मालिकों को अपने संपत्ति दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा।

## पंजीकरण अधिनियम 2025 के प्रमुख प्रावधान

1. संपत्ति दस्तावेजों का अनिवार्य ऑनलाइन अपलोड
- सभी संपत्ति मालिकों को अपने संपत्ति संबंधी दस्तावेज (बिक्री विलेख, शीर्षक विलेख, गिरवी पत्र, पट्टा समझौते आदि) एक केंद्रीकृत सरकारी पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।
2. सत्यापन और प्रमाणीकरण
- अपलोड किए गए दस्तावेजों की जांच मौजूदा भूमि रिकॉर्ड और नगरपालिका डेटा के साथ की जाएगी ताकि उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सके।
3. आधार और पैन के साथ लिंकेज
- संपत्ति स्वामित्व विवरण को बेनामी लेनदेन को रोकने के लिए मालिक के आधार और पैन से जोड़ा जाएगा।
4. निर्धारित समय सीमा
- सरकार छह महीने की समय सीमा निर्धारित करेगी जिसमें संपत्ति मालिकों को अपने दस्तावेज अपलोड करने होंगे।
5. नए सिस्टम के लाभ

साधना मिश्रा एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार दिल्ली

- कम धोखाधड़ी- डिजिटल रिकॉर्ड नकली संपत्ति सौदों और जाली दस्तावेजों को कम करेंगे।
- तेजी से लेनदेन- बैंक और खरीदार संपत्ति विवरण तुरंत सत्यापित कर सकेंगे।
- पारदर्शिता- एकीकृत डेटाबेस लंबित भूमि विवादों को हल करने में मदद करेगा।

## कौन प्रभावित होगा?

- घर के मालिक (आवासीय, वाणिज्यिक, कृषि संपत्तियां)
- रियल एस्टेट डेवलपर
- वारिस (जिन्होंने वसीयत या उपहार के माध्यम से संपत्ति प्राप्त की है)
- पंजीकृत पट्टा समझौते वाले किरायेदार
गैर-अनुपालन के लिए दंड
- दस्तावेज अपलोड करने में विफलता के परिणामस्वरूप जुर्माना या संपत्ति बेचने/गिरवी रखने पर प्रतिबंध लग सकता है।

## नए कानून के लिए कैसे तैयार हों?

1. सभी मूल संपत्ति दस्तावेज इकट्ठा करें।
2. उन्हें स्कैन करवाएं और आवश्यक होने पर सत्यापित करवाएं।
3. आधिकारिक भूमि रिकॉर्ड पोर्टल पर पंजीकरण करें।
4. निर्धारित समय सीमा के भीतर दस्तावेज अपलोड करें।

यह नया सिस्टम जवाबदेही बढ़ाने और मुकदमेबाजी को कम करने के उद्देश्य से बनाया गया है। संपत्ति मालिकों को कानूनी मुद्दों से बचने के लिए समय पर अनुपालन करना चाहिए।

# सुलभ ज्ञान मंदिर स्कूल मे मनाया गया वार्षिक उत्सव

पत्रकार बीआर अहिरवार शाहगंज।

सुलभ ज्ञान मंदिर मिडिल स्कूल शाहगंज में प्रतिवर्ष अनुसार वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह से किया गया इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि में माननीय श्री विनय भार्गव जी हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं पंडित श्री नरेंद्र त्रिवेदी जी, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सुनील गौर जी उपस्थित रहे ढ्ढ श्री विनय भार्गव जी ने बच्चों को पढ़ाई एवं शिक्षा का महत्व बताया एवं शाला प्राचार्य श्री नरेंद्र गौर जी ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सभी अतिथि गणों का स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र - छात्राओं ने अपनी अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया एवं डांस, नुक्कड़ नाटक, गीतों आदि के साथ वार्षिक उत्सव मनाया गया । इस अवसर पर स्कूल के समस्त स्टॉप सहित स्कूल के छात्र मौजूद रहे ।

# सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास में विदाई समारोह का आयोजन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

**उदयपुरा।** छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों का जीवन अनुशासन के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास उदयपुरा में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने जी का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय रमन बामने जी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भी उनके द्वारा की गई। विशेष अतिथियों में ब्लॉक समन्वयक श्री सुरेंद्र चौहान जी, श्री विनोद मरकाम जी, वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय वर्मा जी एवं जनजाति छात्रावास के अधीक्षक श्री जितेंद्र धाकड़ जी शामिल रहे।

कार्यक्रम में वर्तमान एवं पूर्व छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

विदाई समारोह में छात्र विजय, मुकेश, नीलेश, ललित, अभिषेक, मनोहर, नीलम, अनिल, प्रशांत, मोनू, प्रिंस, प्रीतम, शिवम सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। छात्रावास के कर्मचारी मथुरा प्रसाद रजक, ममता बाई, नीता बाई एवं सावित्री बाई की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने जी द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन हल्केवीर सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

# रक्तदान कई ज़िंदगियाँ बचा सकता है डॉ. कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

डॉ. कैलाशनाथ काटजू शासकीय अस्पताल, भोपाल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों से आए रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव सेवा की मिसाल पेश की। अस्पताल की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में आई-ए-एस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन, नगर निगम, अस्पताल चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मियों सहित रक्तदान हेतु आए 54 लोगों में से 36 रक्तदाताओं को स्वस्थ पाया गया, जिनके द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। डॉ. रचना दुबे ने रक्तदाताओं का आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जिससे अनगिनत ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। डॉ. रचना दुबे ने बताया कि शिविर में एकत्रित रक्त का उपयोग विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों में भर्ती मरीजों के लिए किया जाएगा। प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, गंभीर एनीमिया, सिजेरियन ऑपरेशन एवं नवजात शिशुओं की आपात चिकित्सा में रक्त की अत्यंत आवश्यकता होती है, ऐसे में यह रक्तदान जीवनरक्षक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि समय पर उपलब्ध सुरक्षित रक्त से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। शिविर के दौरान रक्तदाताओं के लिए सभी आवश्यक चिकित्सकीय जांच, स्वच्छता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम के आयोजन में समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं कार्यालय स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

# नोनिया बरेली में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती श्रद्धा एवं उत्साह से मनाई गई

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता । उदयपुरा/रायसेन। नोनिया बरेली, उदयपुरा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक समरसता के भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मोहन लाल बाबा जी (गुसी वाले), संत मेघराज दास बाबा जी, हनुमत सिंह बाबा जी तथा मातृशक्ति पार्वती बाई की गरिमामय उपस्थिति रही। संतों के सान्निध्य में भजन-कीर्तन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रमन बामने, हनुमत बौद्ध, अहिरवार समाज के संरक्षक, करोड़ी लाल जी, डॉ. चैन सिंह गोलियां, मूलचंद जी, स्थानीय समाजसेवी एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एम. एल. राठौरिया जी, शिक्षक नन्हेलाल जी, बी. डी. राठौरिया जी, तरवीर, कमलेश जी (पोस्टमैन) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन, उनके सामाजिक समता, समानता और मानवता के संदेशों पर प्रकाश डालते

हुए कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के आयोजक गजेंद्र राठौरिया, मनोज, बलिराम, हेमंत, नीरज, रामेश्वर एवं सभी युवा साथियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

# एमसीयू में अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

**रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश**

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, शुक्रवार को भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में, अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण‚ द्धस्नश्च स्ह्वह्म1द्ग4 2025-26 के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री परमार ने कहा कि आने वाला समय डाटा का है और इस सर्वेक्षण में विभिन्न संस्थानों में विद्यार्थियों का सुव्यवस्थित डाटा एकत्र कर, प्रदेश को देश भर में अग्रणी बनाने के लिए परिश्रम करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत केंद्रित है और भारतीय दर्शन, मूल्यों तथा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में प्रदेश अग्रणी है, इसके परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा पर व्यापक क्रियान्वयन हो रहा है। मंत्री श्री परमार ने बताया कि उच्च शिक्षा में प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश किया गया है। विकसित भारत 2047 का संकल्प, शिक्षा के मंदिरों को पुनः विश्व के सर्वोच्च ज्ञान के केंद्र बनाने का संकल्प है। शिक्षा के मंदिरों से, वसुधैव कुटुंबकम् का भाव मजबूत होगा। कहा कि प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों, धरोहरों और परंपराओं को वर्तमान ज्ञान से जोड़कर आगे बढ़ने वाले मीडिया संस्थान जैसे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा सौ वर्षों की धरोहरों पर आधारित



समाचार पत्रों की ऐतिहासिक सुर्खियों का संरक्षण एक सराहनीय और अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले महापुरुषों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी को नमन करते हुए कहा कि दोनों विभूतियों का राष्ट्र को जागृत करने में अतुलनीय योगदान रहा है। कुलगुरु ने बताया कि आगामी जुलाई सत्र से डिजिटल मार्केटिंग एवं फाइनेंशियल अकाउंटिंग के दो नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें एआई टूल्स, टैली तथा मीडिया की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यवस्तु को शामिल किया जाएगा। उन्होंने पीजीडीसीए एवं डीसीए पाठ्यक्रमों को रोजगार में वरीयता देने तथा संबद्ध अध्ययन संस्थाओं के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का सुझाव भी रखा।नोडल अधिकारी एवं सहायक कुलसचिव ने कहा कि संस्थानों द्वारा प्रस्तुत किए गए डेटा के आधार पर ही शासन की योजनाएं बनती हैं, इसलिए‚ द्धस्नश्च पोर्टल पर सटीक और प्रामाणिक जानकारी भरना अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

## नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में भ्रष्टाचार का खुलासा प्रभारी CMO राममिलन तिवारी निलंबित

**कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।**

**अनूपपुर /बनगवां राजनगर।** अनूपपुर-शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) राममिलन तिवारी को पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और वित्तीय अनियमितता के आरोप में निलंबित कर दिया है। यह आदेश दिनांक 03 फरवरी 2026 को संभागीय समीक्षा बैठक के बाद जारी किया गया।

लेखापाल और अध्यक्ष की संदिग्ध चुप्पी सूत्रों का कहना है कि पोर्टल पर किसी भी प्रकार का भुगतान बिना लेखपाल (Accountant) की तकनीकी अनुमति और अध्यक्ष की सहमति के संभव नहीं होता। प्रभारी सीएमओ ने अपनी लॉगिन आईडी से सीधे गलत भुगतान किए, जो यह दर्शाता है कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि निलंबन केवल सीएमओ का ही क्यों हुआ? पोर्टल के तकनीकी विशेषज्ञ और फाइल आगे बढ़ाने वाले लेखपाल पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

**अमृत 2.0 योजना के भुगतान में करोड़ों की हेरफेर**

जांच में पाया गया कि अमृत 2.0 योजना के तहत तालाब जीर्णोद्धार और पार्क निर्माण कार्यों के भुगतान में भारी गड़बड़ी की गई। संविदाकारों को देय लाखों रुपये की राशि के विरुद्ध मात्र कुछ हजार रुपये का भुगतान किया गया जबकि शेष राशि अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

**पोर्टल पर आईडी का दुरुपयोग और गलत भुगतानः** प्रभारी (CMO)

राममिलन तिवारी ने SNA Sparsh Portal पर अपनी लॉगिन आईडी से बिना किसी परीक्षण के गलत भुगतान किए। उन्होंने मेकर/चेकर की आईडी का उपयोग कर संविदाकारों की वास्तविक राशि म.प्र. कर्मकार मण्डल के खाते में और मण्डल की राशि संविदाकारों के खाते में अंतरित कर दिया!

**संविदाकारों का भुगतान अटका, निर्माण कार्य हुए प्रभावित**

अधिकारियों की इस मनमानी के कारण संविदाकार को उनकी वाजिब राशि का भुगतान नहीं हो सका। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस वित्तीय गड़बड़ी की वजह से नगर परिषद के महत्वपूर्ण निर्माण कार्य अनावश्यक रूप से प्रभावित हुए हैं। सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन, कलेक्ट्रेट कार्यालय अनूपपुर नीयत (CMO) राममिलन तिवारी का यह कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम-1965 के विरुद्ध पाया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर तय किया गया है और उनके विरुद्ध 07 दिवस के भीतर आरोप पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

## महाविद्यालय में गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन

**हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता**

**उदयपुरा।**शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में पुस्तकालय विभाग द्वारा पुस्तकालय में कार्यरत सहयोगी श्री गया प्रसाद मेहरा जी का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया उन्होंने शास. महा विद्यालयाल उदयपुरा में 40 वर्ष तक अपनी सेवाएं दी। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सत्येंद्र कुमार आठिया द्वारा आयोजित किया गया द्य इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अन्नू बड़कुड द्वारा श्री मेहरा जी को आने वाले भविष्य हेतु सुखद सेवा सेवानिवृत्ति शुभ आशीष प्रदान किया द्य महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका सुश्री काव्या सिंह द्वारा इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में अपना उद्बोधन दिया द्य महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सत्येंद्र कुमार आठिया जी द्वारा गया प्रसाद मेहरा जी के साथ किए गए कार्यो एवं उनके अनुभव पर प्रकाश डाला एवं उनको स्मृति चिन्ह प्रदान कर महाविद्यालय परिवार की तरफ से सम्मानित किया द्य इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम का मंच संचालन श्री ओ.पी वर्मा द्वारा किया गया द्य महाविद्यालय के इस कार्यक्रम में मनोज कुमार धुर्वे, नीरज श्रीवास्तव, डॉ. पार्वती व्याघ्रे, डॉ.श्याम नेमा, संदीप साहू, नरेश कहार के साथ साथ महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र







हल्केवीर मीडिया प्रभारी, विकास धाकड़ एबीपी नगर अध्यक्ष, राहुल सेन, योगेश साहू, जयपाल अहिरवार, यश जोशी, अनिमेष सराठे, अभिषेक लोधी, सुभद्रा धानक एवं महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं के साथ-साथ श्री मेहरा जी के परिवार के सदस्य गण मौजूद रहे ।

## सोहागपुर में माफिया की नई चाल; मजदूरों को ढाल बनाकर सराफा नदी का सीना छलनी कर रहे रेत तस्कर

**सोहागपुर (शहडोल)।** सोहागपुर थाना क्षेत्र में रेत माफिया ने अब कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पैंतरा बदल लिया है। सराफा नदी के तटों पर मजदूरों के हाथों में फावड़े और तगाड़ी थमाकर अवैध रूप से ट्रैक्टरों को भरा जा रहा है, ताकि पकड़े जाने पर इसे ÷गरीब की मजदूरी÷ का नाम देकर कार्रवाई की धार को कुंद किया जा सके। मजदूरों को बनाया मानवीय ढाल

सूत्रों के अनुसार, माफिया जानबूझकर स्थानीय और प्रवासी मजदूरों का उपयोग कर रहा है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं- कार्रवाई से बचाव- यदि पुलिस या खनिज विभाग की टीम पहुँचती है, तो माफिया इसे छोटा-मोटा खनन बताकर टाल देता है। बड़ी मशीनें जब्त होने पर करोड़ों का नुकसान होता है, जबकि मजदूरों और ट्रैक्टरों के मामले में सांठगांठ करना आसान होता है।

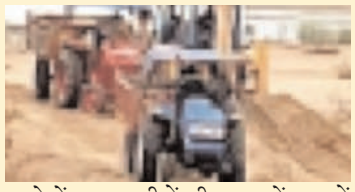



सस्ते में काम- मशीनों की तुलना में मजदूरों से काम कराना माफिया के लिए कम खर्चीला और जोखिम मुक्त साबित हो रहा है। ट्रैक्टरों का बेखौफ रेला सोहागपुर के ग्रामीण रास्तों पर दिन-रात अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रालियों की कतारें देखी जा सकती हैं। बिना रॉयल्टी और बिना किसी वैध दस्तावेज के ये ट्रैक्टर सरेआम थाना क्षेत्र से गुजर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि प्रशासन उत्खनन न होने का दावा करता है, जबकि नदी के भीतर मजदूरों का हुजूम और सड़कों पर दौड़ते ट्रैक्टर हकीकत बयां कर रहे हैं।

प्रशासनिक तंत्र की चुप्पी पर सवाल

मजदूरों द्वारा मैनुअल माइनिंग (Manual Mining) के भी अपने कड़े नियम हैं, जिनका पालन यहाँ शून्य है। जब दर्जनों ट्रैक्टरों में रेत भरी जा रही हो, तो यह संभव नहीं कि स्थानीय पुलिस या राजस्व अमले को इसकी भनक न हो। यह मौन सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। ÷क्या प्रशासन को नदी में काम कर रहे सैकड़ों मजदूर और अवैध ट्रैक्टर दिखाई नहीं देते? मजदूरों के नाम पर चल रहे इस संगठित अवैध कारोबार पर पुलिस ने अब तक कितनी FIR दर्ज की हैं? ÷क्या विभाग को पता है कि मैनुअल माइनिंग के नाम पर बिना रॉयल्टी के शासन को प्रतिदिन लाखों का चूना लगाया जा रहा है?

# 45 दिनों से अनूपपुर-जैतहरी क्षेत्र में डेरा जमाए हाथी, रात में खेतों पर हमला, पटाखे भी हुए बेअसर

**कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।**

विगत 45 दिनों से अनूपपुर एवं जैतहरी तहसील के इलाकों में तीन हाथियों का दल दो भागों में बंटकर विचरण कर रहा है। दिन के समय हाथी जंगल में विश्राम करते हैं, जबकि रात होते ही खेतों की ओर निकलकर किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं। इस दौरान एक अकेला, एक दांत वाला नर हाथी खास तौर पर ग्रामीणों के लिए दहशत का कारण बना हुआ है, जो खेतों से भगाए जाने पर पटाखों को अपने पैरों से दबाकर नष्ट कर देता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह एक दांत वाला नर हाथी विगत पाँच दिनों से अनूपपुर तहसील थाना एवं वन परिक्षेत्र अंतर्गत सोनमौहरी बीट के जंगल में दिन में विश्राम करने के बाद शाम और रात में जंगल से सटे ग्राम पंचायत अमगवां के वार्ड क्रमांक 10, डोंगरीटोला में लगातार किसानों के खेतों में घुसकर गेहूं व अरहर की फसल को नुकसान पहुँचा रहा है। किसान गणेश सिंह पिता अमेर सिंह मार्को के खेत में चार दिनों से निरंतर फसल चरने की घटनाएँ सामने आई हैं। ग्रामीणों द्वारा हाथी को भगाने के लिए हो-हल्ला व जलते पटाखे फेंके गए, लेकिन चतुर हाथी पटाखे की ओर तेजी से बढ़कर उसे पैरों से दबाकर नष्ट कर देता है और चिंघाड़ते हुए ग्रामीणों को दौड़ा देता है। बुधवार रात लगभग 7 बजे, चौथे दिन भी यह

हाथी जंगल से निकलकर खेत में घुसा और फसल के साथ-साथ सिंचाई पाइप उठाकर अरहर के खेत में ले गया। ग्रामीणों के कई प्रयास नाकाम रहे। बुधवार-गुरुवार की मध्य रात्रि, यह हाथी सोनमौहरी जंगल से निकलकर ग्राम पंचायत सेंदुरी में संजय पिता तरेरा चर्मकार के घर के पास पहुँचा, जहाँ ईंट की दीवार तोड़कर आंगन में लगे केले के पेड़ और दो बोरियों में रखा धान खा गया। इसके बाद चौरा के पास रामलखन पिता हनुमान राठौर एवं दिनेश पिता जयपाल राठौर के खेतों में गेहूं की फसल को नुकसान पहुँचाया। पेट भरने के बाद यह हाथी गुरुवार तड़के सोनमौहरी के बांस व वृक्षारोपण वाले जंगल में जाकर विश्राम करता पाया गया। वहीं, शेष दो हाथी पिछले पाँच दिनों से जैतहरी तहसील थाना एवं वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत क्योटार के कुसुमहाई, पड़रिया के चोई एवं भलुवान टोला, तथा कुकुरगोड़ा के बेल्हाटोला व कोशम टोला से लगे जंगलों में दिन-रात विचरण कर रहे हैं। ये दोनों हाथी फिलहाल जंगल के भीतर ही ठहरे हुए हैं और अपने साथी हाथी के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हाथियों की लगातार गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने अलग-अलग गश्ती दल तैनात कर निगरानी बढ़ा दी है। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे हाथियों के नजदीक न जाएँ, कच्चे मकानों में न रुकें और पूरी सतर्कता व सावधानी बरतें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

# एपस्टीन फाइल पर एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा का साहसिक और मानवीय पक्ष, गरीब-बेसहारा की आवाज़ बनकर फिर आए सामने

**कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश )**

बहुचर्चित और संवेदनशील एपस्टीन फाइल को लेकर एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा ने जिस संतुलन, संवेदनशीलता और नैतिक साहस के साथ अपना पक्ष रखा है, उसने एक बार फिर उन्हें समाज के सजग, जिम्मेदार और निर्भीक प्रहरी के रूप में स्थापित कर दिया है। उन्होंने इस हृदयविदारक और नृशंस प्रकरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यदि इसमें कोई भी भारतीय नागरिक, राजनीतिक व्यक्ति या उद्योगपति संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बिना ठोस जांच के किसी पर आरोप लगाना गलत है, लेकिन दोषियों को चिन्हित कर उन्हें कठोर सजा देना एक स्वस्थ और सभ्य समाज की बुनियाद है। एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा केवल एक कुशल और अनुभवी अधिवक्ता ही नहीं, बल्कि वे वर्षों से गरीब, बेसहारा और

पीड़ितों की मजबूत आवाज़ बनकर सामने आते रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वे जरूरतमंद और असहाय लोगों से किसी भी प्रकार की फीस नहीं लेते और न्याय की लड़ाई को पूरी निष्ठा और सेवा भाव से लड़ते हैं। अनेक ऐसे परिवार हैं, जिन्हें उन्होंने बिना किसी स्वार्थ के कानूनी सहारा देकर टूटती उम्मीदों को फिर से जीवित किया है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि गरीब और बेसहारा लोगों को न्याय दिलाने के लिए उनके घर का दरवाज़ा हमेशा खुला रहता है। पीड़ित चाहे किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में पहुंचे – एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा उन्हें निराश नहीं लौटाते। उनका व्यवहार, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण यह साबित करता है कि वे कानून को केवल दलीलों तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे इंसानियत से जोड़कर देखते हैं।

उनका यह बेबाक बयान और निस्वार्थ सेवा भावना यह दर्शाती है कि कानून उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि समाज सुधार और मानवता की रक्षा का सशक्त माध्यम है। आज के समय में ऐसे ही अधिवक्ताओं की आवश्यकता है, जो सच, न्याय और पीड़ितों के पक्ष में निर्भीक होकर खड़े हों। एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा की निष्पक्षता, संवेदनशीलता, साहस और सेवा भावना की चारों ओर प्रशंसा हो रही है और वे समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

# अनूपपुर में लावारिस मिली मानसिक रूप से अस्वस्थ नवयुवती, परिजनों की तलाश जारी

**कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।**

अनूपपुर में लावारिस मिली मानसिक रूप से अस्वस्थ नवयुवती, परिजनों की तलाश जारी

अनूपपुर। आज दिनांक 5 फरवरी 2025 को रात्रि लगभग 9 बजे, अमरकंटक रोड स्थित जेल बिल्डिंग के पास एक 18ङ्क19 वर्ष की नवयुवती लावारिस अवस्था में भटकती हुई मिली। सूचना मिलने पर उसे सुरक्षित महिला डेस्क, थाना कोतवाली अनूपपुर लाया गया। पुलिस के अनुसार नवयुवती मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रही है तथा वह अपना नाम-पता बताने में असमर्थ है। अब तक नवयुवती के परिजनों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को उक्त नवयुवती के संबंध में कोई जानकारी हो, तो तत्काल संपर्क कर परिजनों तक सूचना पहुंचाने में सहयोग करें। इस संबंध में जानकारी देने हेतु नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क किया जा सकता है– अरविंद जैन

टी.आई., थाना कोतवाली अनूपपुर
जिला अनूपपुर (मध्य प्रदेश)
मोबाइल- 94254 25894

पुलिस ने आमजन से इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करने की अपील की है, ताकि नवयुवती को शीघ्र उसके परिजनों से मिलाया जा सके।

# सहारा हॉस्पिटल महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर में महिला के पेट से

## 4 किलो 500 ग्राम का ट्यूमर निकाला

**ग्वालियर**

ग्वालियर चम्बल अंचल का महलगांव सिटी सेंटर में स्थित सहारा हॉस्पिटल में एक महिला के पेट से 4 किलो 500 ग्राम का ट्यूमर सफल सर्जरी कर सहारा हॉस्पिटल के चिकित्सकों की टीम ने निकाला। महिला कई महीनों से बीमार थी तथा दर्द से परेशान थी। प्रारम्भिक जांच कराने पर पता चला कि पेट में एक बड़ा ट्यूमर है। मरीज के ऑपरेशन हेतु सहमत होने पर उसे सहारा हॉस्पिटल में भर्ती किया गया तथा सर्जरी कर ट्यूमर निकाला गया जो कि असामान्य रूप से बड़ा और वजनी था।

सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर का सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटल है जिसमें आयुष्मान योजना तथा स्वास्थ्य बीमा धारकों का निःशुल्क इलाज किया जाता है। सहारा हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर ग्वालियर अंचल में लगाये जा रहे हैं। सहारा हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों, उनके अटेंडरों सहित बाहर से आने वाले मरीजों के लिये दोनों समय निःशुल्क भोजन की व्यवस्था है, अत्याधुनिक उपकरणों से लेस ओ.टी. है सभी प्रकार की जांचों की व्यवस्था है एवं MLC सुविधा भी उपलब्ध है इसके साथ-2 ट्रामा सेंटर भी है और 24 घंटे इलाज की व्यवस्था है। तथा एम्बुलेंस की भी व्यवस्था है।

**डायरेक्टर**
**पब्लिक रिलेशन्स**
**सहारा हॉस्पिटल**
**महलगांव सिटी सेंटर, ग्वालियर**

# रायसेन जिले के उदयपुरा, गायव्यान, अनघोरा, भोपतपुर व टुमडा में श्रद्धा के साथ मनाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती

**हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता**

**उदयपुरा/रायसेन।** जिले के उदयपुरा, गायव्यान, अनघोरा, भोपतपुर एवं टुमडा गांवों में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता के साथ मनाई गई। तीनों स्थानों पर समाजजनों एवं ग्रामीणों की सहभागिता उल्लेखनीय रही।

उदयपुरा में गुरु रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन, उनके विचारों एवं सामाजिक समानता के संदेश पर प्रकाश डाला। भजन-कीर्तन और प्रसादी वितरण भी किया गया।

अनघोरा गांव में जयंती के अवसर पर सामूहिक पूजा-अर्चना एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने और समाज में भाईचारा बनाए रखने का आह्वान किया।

वहीं टुमडा गांव में भी संत रविदास जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। ग्रामीणों द्वारा उनके विचारों पर आधारित उद्बोधन दिए

गए तथा समाज में शिक्षा, समानता और सद्भाव का संदेश दिया गया।

गायबयान गांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का सुंदर चित्र उकेरा गया। युवाओं की इस कलाकृति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया और सामाजिक चेतना का सशक्त संदेश दिया।

भोपतपुर गांव में पहली बार युवाओं एवं ग्रामीणजनों के संयुक्त सहयोग से संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया और संत रविदास जी तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। पहली बार हुए इस आयोजन से गांव में उत्साह और सामाजिक एकता का वातावरण देखने को मिला।

पांचों गांवों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव से की दिल्ली में भेंट

# बोत्सवाना से 28 फरवरी को मध्यप्रदेश आएंगे 8 चीते : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### असम से जंगली भैंसा लाकर मध्यप्रदेश के वनों में बसाने पर हुई गहन चर्चा

**भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास, रिजर्व फॉरेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठा रही है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बसाहट के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्यप्रदेश के जंगलों में स्वछंद विचरण करता दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने असम से जंगली भैंसा मध्यप्रदेश लाने की सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के लिए बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 28 फरवरी को बोत्सवाना से 8 चीते मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। चीतों के पुनर्स्थापन के लिए केंद्रीय मंत्री श्री यादव से आवश्यक सहयोग और व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत रूप से बात की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य जीव संरक्षण और जैव-विविधता संवर्धन के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिये आभार माना केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने प्रदेश के प्रयासों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय खाद्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से की मुलाकात किसान कल्याण वर्ष और गेहूँ उपार्जन भंडारण की दी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। इस वर्ष में हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य दिलाने के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश में गेहूं का उपार्जन एवं भंडारण की प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को नई दिल?ली में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी से मध्यप्रदेश में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष और गेहूं उपार्जन एवं भंडारण व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गेहूं का उपार्जन सरलता से पर्याप्त भंडारण व्यवस्था के साथ होता है। केंद्रीय मंत्री श्री जोशी ने मध्यप्रदेश को गेहूं उपार्जन में हरसंभव आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव से की सौजन्य भेंट

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से संसद भवन में बुधवार को सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मध्यप्रदेश में रेल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित एवं प्रगतिरत रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से मध्यप्रदेश के विकास, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

# आउटसोर्सिंग- संविदा कर्मियों को स्थाई करे सरकार : मंजीत करौसिया

**ललितपुर।**

ताज नगरी आगरा में उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ के 73 वें अधिवेशन में शामिल होकर ललितपुर के नेताओं ने कार्यवाहक प्रान्तीय अध्यक्ष मंजीत करौसिया के नेतृत्व में प्रदेशीय नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। अधिवेशन में ललितपुर के सफाई मजदूर संघ नेताओं ने पूरे उत्तर प्रदेश में आउटसोर्सिंग व संविदा व्यवस्था को समाप्त कर सफाई कर्मियों की नौकरी को स्थाई किये जाने की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया। आगरा अधिवेशन से लौटकर जिला मुख्यालय पहुंचे कार्यवाहक प्रान्तीय अध्यक्ष मंजीत करौसिया ने बताया कि संघ का 73 वां अधिवेशन आगरा उ.प्र. में सम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि संघ प्रांतीय अध्यक्ष महेश काजू एवं अध्यक्षता पूर्व महापौर इंद्रजीत आर्या ने की। अधिवेशन में प्रदेश के जिलों से आए जिलाध्यक्षों व प्रदेश पदाधिकारी ने कर्मचारी हित में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। संघ प्रांतीय अध्यक्ष महेश काजू ने प्रदेश सरकार से आह्वान किया कि प्रदेश में आउटसोर्सिंग व्यवस्था को बंद कर स्थाई नौकरी निकली जाए व पूर्व से संविदा आउटसोर्सिंग मे तैनात सभी कर्मचारियों को नियमित करने की नीति अपनायी जाये, जिससे बेरोजगारी भी दूर होगी और व्यवस्थाएं और चौकस हो सकेंगीं। संघ के कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष मंजीत करौसिया ने प्रदेश में तैनात समस्त संविदा सफाई कर्मचारी एवं आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को नियमित करने एवं स्थाई भर्ती किए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा की प्रदेश की निकायों में तैनात समस्त संविदा सफाई कर्मचारियों एवं आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को यदि सरकार स्थाई/नियमित करती है तो कर्मचारियों शोषण से बचाव होगा। साथ ही प्रदेश की प्रत्येक निकायों में स्थाई सफाई कर्मचारियों की भर्ती से बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा। अधिवेशन में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेशीय सफाई मजबूत संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेश काजू, पूर्व महापौर इंद्रजीत बाल्मीकि, प्रांतीय महामंत्री अश्वनी कुमार, कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष मंजीत करौसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश प्रसाद, जिलाध्यक्ष आगरा बीरजू नरवार, ललितपुर जिलाध्यक्ष राजकुमार नाहार, बृजेश बाल्मीकि, संघ के प्रदेश पदाधिकारियों सहित कई जिलों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे।

# जखौरा थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु

**ललितपुर।**

जनपद में बैद्य और अवैध रूप से बेची जा रही देसी और अंग्रेजी शराब को लेकर अब बवाल बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। जनपद में अब जहां जिस तरफ से देखो शराब की दुकान बंद करवाने के लिए महिलाओं द्वारा आवास बुलंद की जा रही है। शराब बंद करवाने को लेकर जनपद के कई गांव में धरना प्रदर्शन पर आंदोलन तक भी होने लगे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की आबकारी नीति के चलते जनपद में जगह-जगह शराब की दुकानों को खोला जा रहा है, लेकिन अब जनपद के लोगों में शराब को लेकर जागरूकता आ रही है, जिससे शराब की दुकानों का लगातार विरोध भी हो रहा है। खास तौर पर शराब की दुकानों का विरोध अब महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, क्योंकि महिलाओं को शराबियों प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है, फिर चाहे वह शराबी घर के बाहर के हो या फिर घर के अंदर के हों। जनपद में शराब की दुकानों को लेकर हाल ही में दो ताजा मामला सामने आए हैं, जिसमें से पहला मामला कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खितवास में सामने आया है और दूसरा मामला थाना जाखलौन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जीरोन में सामने आया है, जहां पिछले कई महीनो से शराब की दुकानों को लेकर आक्रोश पनप रहा था। दोनों ही मामलों को लेकर यहां की महिलाओं ने कई बार जिला प्रशासन को शराब की दुकान बंद करवाने के लिए ज्ञापन दिया। लेकिन जब जिला प्रशासन ने मामला संज्ञान में नहीं लिया, तब ग्राम खितवास की महिलाओं ने कानून अपने हाथ में लिया और शराब की दुकानों की ताली तोड़कर वहां रखी सारी शराब सड़कों पर फेंक कर नष्ट कर दी। इस घटना के फोटो वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले में दुकान संचालक की शिकायत पर आरोपी महिलाओं के खिलाफ मामला पंजीकृत करने का हवाला दिया जा रहा है। तो वहीं ग्राम जीरोन की आक्रोशित महिलाओं ने घंटाघर पर जाम लगा दिया और अपने गांव की शराब की दुकान बंद करवाने की मांग उठाई। इस मामले को लेकर आबकारी विभाग के सभी ठेकेदार एकजुट होकर कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर वक्त मामले में कार्यवाही की मांग उठाई। मिली जानकारी के अनुसार शासन की आबकारी नीति के अनुसार ग्राम खितवांस में देसी शराब और अंग्रेजी शराब की दो दुकानों का संचालन कराया जाता है बताया गया है कि इन्हीं दोनों दुकानों की संचालन को लेकर इस इलाके की महिलाओं में पिछले कई महीनो से आक्रोश पनप रहा था और उन्होंने कई बार जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर अपने इलाके की दोनों शराब की दुकानों को बंद करने की मांग उठाई थी।

# उन्हें विराट और रोहित की कमी खलेगी : अनिल कुंबले ने भारत की टी20 विश्व कप 2026 टीम पर अपनी राय

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले ने आगे आकर इस बात पर चर्चा की कि आगामी टी20 विश्व कप 2026 में, जो 7 फरवरी से शुरू होने वाला है, टीम इंडिया को विराट कोहली और रोहित शर्मा की सेवाओं की कमी खलेगी। भारतीय टीम आगामी टी20 विश्व कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2024 में ब्लू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार खिताब जीता था। यह दिलचस्प बात है कि उस समय भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा कर रहे थे । इस दिग्गज बल्लेबाज ने विराट कोहली , रविंद्र जडेजा और कई अन्य सितारों से सजी भारतीय टीम को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया । हालांकि, टी20 विश्व कप 2026 में रोहित शर्मा और कोहली की सेवाएं टीम इंडिया के पास नहीं होंगी, क्योंकि इस जोड़ी ने फाइनल मुकाबले के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 2026 टी20 विश्व कप की शुरुआत से पहले, पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले ने मंच पर आकर इस बारे में बात की कि आगामी टूर्नामेंट में भारतीय टीम को रोहित और विराट की कितनी कमी खलेगी। अगर अनुभव की बात करें तो उन्हें विराट और रोहित जैसे दो दिग्गज खिलाड़ियों की कमी खलेगी, लेकिन अगर संतुलन की बात करें तो मुझे लगता है कि यह टीम अच्छी है क्योंकि इसमें गेंदबाजी के कई विकल्प हैं और शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों का दृष्टिकोण भी अलग है, कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा। हालांकि, यह अभी भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। 2024 की परिस्थितियां बहुत अलग थीं। मैं शायद 2024 की टीम को इस टीम से 10 प्रतिशत बेहतर मानूंगा, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि यह टीम उसके काफी करीब है, उन्होंने आगे कहा।

# जोश हेज़लवुड के 2026 टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर रहने की संभावना

**7 फरवरी को टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत होने वाली है, ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शॉन एबॉट को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर अपनी टीम में शामिल कर लिया है, क्योंकि जोश हेज़लवुड के टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में न खेलने की उम्मीद है।**

7 फरवरी को टी20 विश्व कप 2026 शुरू होने वाला है, लेकिन इससे पहले ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है क्योंकि स्टार तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के आगामी विश्व कप के शुरुआती चरणों में न खेलने की आशंका है। हेज़लवुड एड़ी की चोट से उबरने के लिए सिडनी में ही रहेंगे। शॉन एबॉट को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि ग्लेन मैक्सवेल , नाथन एलिस और टिम डेविड जैसे खिलाड़ी पाकिस्तान के टी20 अंतरराष्ट्रीय दौरे में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन कोलंबो पहुंचने पर वे टीम में शामिल होंगे। जहां तक ??हेज़लवुड की बात है, हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वे एशेज के शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे और फिर रिहैबिलिटेशन के दौरान उनकी एड़ी में चोट लग गई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ ने बेहतर समझा कि स्टार तेज गेंदबाज विश्व कप के लिए टीम में शामिल होने से पहले घर पर ही रिहैबिलिटेशन जारी रखें। इसके अलावा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने जोश हेज़लवुड की स्थिति के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हेज़लवुड के लिए घर पर रहकर अपनी रिकवरी जारी रखना अधिक व्यावहारिक होगा।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, डोडेमाइड ने कहा, हमें लगा कि जोश के लिए श्रीलंका जाने से पहले घर पर परिचित वातावरण में अपना पुनर्वास जारी रखना अधिक व्यावहारिक और फायदेमंद होगा। नाथन के भी खेल में वापसी करने के बाद, हमने शॉन को अपने साथ तेज गेंदबाजी बैकअप के रूप में लाने का फैसला किया, ताकि जरूरत पड़ने पर वह बैकअप के तौर पर मौजूद रहें।

**टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम :**

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन द्वार्शियस, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस , एडम ज़म्पा , शॉन एबॉट (अतिरिक्त रिजर्व खिलाड़ी)

# बेहद शर्मनाक : शशि थरूर ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले पाकिस्तान द्वारा भारत के बहिष्कार पर अपनी राय व्यक्त

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में पाकिस्तान सरकार द्वारा भारत के खिलाफ 2026 टी20 विश्व कप के मैच का बहिष्कार करने के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने खेल से राजनीति को दूर रखने के अपने विचार व्यक्त किए। हाल ही में टी20 विश्व कप 2026 सुर्खियों में छाया हुआ है, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आने से इनकार करने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान और उसकी भागीदारी को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। हाल ही में, पाकिस्तान सरकार ने आगे आकर घोषणा की कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम विश्व कप में भाग लेगी, लेकिन 15 फरवरी को जब उसका मुकाबला भारत से होना है, तब वह मैदान पर नहीं उतरेगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है। इसी विषय पर बोलते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि राजनीति को खेलों से दूर रखना चाहिए। दोनों पक्षों द्वारा खेल का इस तरह से राजनीतिकरण करना बेहद शर्मनाक है। मुझे नहीं लगता कि मुस्तफिजुर (बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान ) को कोलकाता में खेलने का अनुबंध देने से इनकार किया जाना चाहिए था। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। राजनीति का दखल, मुझे लगता है कि बांग्लादेश की प्रतिक्रिया अतिरंजित थी, लेकिन यह उसी का प्रतिबिंब भी है और पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपनी एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रहा है। यह पूरा मामला नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है, थारूर ने एएनआई को बताया। थारूर ने इस स्थिति को एक चेतावनी बताया। इसके अलावा, शशि थरूर ने लोगों से यह समझने का आग्रह किया कि राजनीति को खेल से दूर रखा जाना चाहिए और खेल को लोगों को एक साथ लाने का साधन होना चाहिए।

# मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर विभिन्न समस्याओं के संबंध में कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

**कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।**

अनूपपुर। मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर में कलेक्टर को अवगत कराया कि जिला-अनूपपुर में पदस्थ पटवारी अपनी सेवा का निर्वहन पूरी निष्ठा से लगातार कर रहे है परन्तु उनके कार्य के दौरान आने वाली कुछ न्यायोचित समस्याएं है जिनका निराकरण किया जाना अतिआवश्यक है। अनूपपुर जिले की समस्त तहसीलों में विगत 100 दिवस से अधिक समय से एवं रविवार व अन्य शासकीय अवकाश के दिनों में भी शाम 6ः00 बजे से रात 9 या 10ः00 तक बैठक का आयोजन किया जा रहा है जो नियम विरुद्ध होकर पटवारी को प्रताड़ित करने की योजना बन चुका है ऐसी योजना का हम विरोध करते हैं और असमय बैठक करने से पटवारी के सामान्य जीवन एवं स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है और उसकी कार्य क्षमता घट चुकी है विभिन्न पारिवारिक आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं केवल एक शाम की बैठक में न जाने पर तीन दिवस का वेतन मन माने ढंग से काटा जा रहा है इस प्रकार प्रशासन

?द्वारा बर्बरता पूर्वक मनमानी ढंग से पटवारी के पीठ के साथ-साथ पेट पर भी मारी जा रही है जो अधिकारियों को शोभा नहीं देता है इस प्रकार अपने छोटे कर्मचारियों पर नियमों को गलत तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है ऐसा लगता है सभी नैतिक एवं सामाजिक मूल्य मृत हो चुके हैं और केवल बदले की भावना से कार्य करना ही उद्देश्य रह गया है अब परिस्थितियों अत्यंत भयावह हो चुकी हैं हम ऐसी स्थिति का पुरजोर विरोध करते हैं।

जियोटैग गिरदावरी शासन द्वारा लगभग 3 वर्षों से सर्वेयर द्वारा गिरदावरी करवायी जा रही है, परन्तु सर्वेयर को मानदेय भुगतान ना होने के कारण वे कार्य नहीं कर रहे हैं जिस कारण से गिरदावरी अंततः पटवारी को करनी पड़ रही है जहां एक सर्वेयर द्वारा आपेकतम 1000 खसरे की गिरदावरी का प्रावधान है परन्तु उनके द्वारा कार्य ना किये जाने के कारण पटवारी को अपने सारे हल्कों के सारे गांवों में स्वयं गिरदावरी कानी पड़ रही है जहां खसरों की संख्या लगभग 5 से 10 हजार है और ऐसी स्थिति में खसरा आधारित जिओटैग गिरदावरी किया जाना संभव नहीं है अतः आपसे निवेदन है कि पटवारी की आईडी से खसरे आधारित जिओटैग हटाई जाकर ग्राम स्तर पर गिरदावरी करवाये जाने का प्रावधान किया जाए।

फार्मर आई डी- फार्मर आई पटवारी के साथ-साथ सी एस सी सेंटर, एमपी ऑनलाईन से बनवाई जा रही है जिनका उन्हें भुगतान भी किया जा रहा हैं, पर शासन द्वारा पटवारी को इस संबंध में दबाव दिया जा रहा है जो अनुचित है, साथ ही इसमें अनेक विसंगतियां है जैसे कई खातेदार व सहखातेदारों का अन्यत्र निवास करना, पोर्टल पर उपलब्ध डाटा त्रुटिपूर्ण होना, आई बन जाने के बाद भी पेंडिंग सुची में खसरे पेंडिंग दिखाई देना, कई खसरे आई डी बनाने हेतु पोर्टल पर उपलब्ध ना होना, किसान के आधार से उसका मोबाइल नंबर लिंक ना होना और किसान द्वारा ओटीपी ना देना आदि। इन सारी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द किया जाये और इस कार्य हेतु अनावश्यक दबाव बनाकर एवं कार्यवाही करके पटतारी साथियों को प्रताडित ना किया जाए। नवोदित पटवारियों को 100 प्रतिशत सैलरी नवनियुक्त पटवारी साथियों को नियुक्ति पत्र वितरण के समय

तात्कालीन मुख्यमंत्री महोदय द्वारा यह घोषणा की गई थी कि नवनियुक्त पटवारियों को नियुक्ति दिनांक से ही 200 प्रतिशत सैलरी दी जायेगी परन्तु शासन द्वारा यह आदेश आज दिनांक तक लम्बित है परन्तु वर्तमान ÷मैं माननीय हाईकोर्ट जबलपुर से म.प्र. के शासकीय कर्मचारियों के हित में ये आदेश पारित किया गया है कि जो पटवारी साथी 70, 80, 90 प्रतिशत सैलरी के दायरे में आ रहे हैं, उन्हे 100 प्रतिशत सैलरी दी जाए और शेष राशि का एरियर जल्द दिया जाये। अतः इस आदेश के परिपालन में भ.प्र. में पदस्थ सभी नवोदित पटवारी

जिला प्रशासन के द्वारा पटवारी को स्पष्ट तौर पर निशाने में लिया जा रहा है पटवारी की गलती है या नहीं इसकी जांच किए बिना उनके ऊपर अत्यधिक मात्रा में मनमाने अर्थदंड अध्यारोपित करने के आदेश प्रसारित किया जा रहे हैं बिना कार्य करने का अवसर दिए ही समीक्षा की जाती है जिससे अपेक्षित प्रगति स्वाभाविक रूप से कम होती है फिर सीधे निलंबन कर दिया जाता है जांच किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है ऐसी समस्त नियम विरुद्ध कार्रवाई वापस लिया जाए

ऐसा चाहूँ राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न।
छोट-बड़ों सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न।।
बांभन झूठा, वेद भी झूठा, झूठा ब्रह्म अकेला रे।
मंदिर भीतर मूर्ति बैठी, पूजति बाहर चेला रे।
लड्डू भोग चढ़ावति जनता, मूर्ति के ढिंग केला रे।
पत्थर मूर्ति कछु न खाती, खाते बांभन चेला रे।
जनता लूटति बांभन सारे, प्रभु जी देति न धेला रे।
जाति-जाति में जाति है,जो केतन के पात,
रैदास मनुष ना जुड़ सके,जब तक जाति न जात

परमज्ञानी, सामाजिक परिवर्तन के महानायक, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 649 वीं जयंती पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

## महान संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 649 वी जयंती के अवसर पर सहारा हॉस्पिटल ने ग्राम खुरेरी में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाया

**ग्वालियर**

महान संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 649 वी जयंती के अवसर पर सहारा हॉस्पिटल जो मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के साथ-साथ इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल का नेटवर्क है द्वारा ग्राम खुरेरी में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सर्वप्रथम संत रविदास महाराज के चित्र पर सहारा हॉस्पिटल की टीम एवं ग्राम वासियों ने माला अर्पण कर नमन किया तथा मिष्ठान वितरण भी किया गया। डॉ. जबर सिंह आर्य, डॉ. अशोक सिंह राजपूत, श्री जसवंत उज्जोलिया तथा श्री राजेन्द्र वशिष्ठ ने संत शिरोमणि महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला तत् पश्चात शिविर में आये हुए मरीजों का नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया गया। शिविर की ओ.पी.डी. में 50 मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा गंभीर मरीज मेडिसिन के निकले जिनका सहारा हॉस्पिटल द्वारा पंजीयन किया गया तथा 5 मरीज मोतियाबिन्द के निकले जिनको सर्जरी के लिये सहारा हॉस्पिटल के वाहन से निःशुल्क सहारा हॉस्पिटल लेकर आये। आज उनकी आँखों का सफल ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण किया गया जो सफल रहा।

## बनगवां नगर परिषद में नियमों की नींव गायब- बिना ड्राइंग-डिजाइन शुरू किया दफ्तर का निर्माण, CMO और इंजीनियर भोपाल तलब

**अनूपपुर /बनगवां /(राजनगर)**

तो क्या हवा में बन रहा नगर परिषद बनगवा का भवन...? ड्राइंग-डिजाइन का अता-पता नहीं, CMO और उपयंत्री की पेशी तय क्या बिना नक्शे और डिजाइन के भी सरकारी इमारतें बन सकती हैं अनूपपुर की बनगवां नगर परिषद में ऐसा ही कारनामा सामने आया है। यहाँ अधिकारियों ने विभागीय प्रक्रियाओं को ठेंगा दिखाते हुए कार्यालय भवन की नींव तो भर दी, लेकिन नक्शा पास कराना भूल गए। इस अंधेरगर्दी पर कड़ा रुख अपनाते हुए आयुक्त ने जिम्मेदार अधिकारियों को 12 फरवरी को समस्त दस्तावेजों के साथ पेश होने का फरमान सुनाया है! अनूपपुर 7 नियमों को ताक पर रखकर सरकारी बजट को खपाने का एक बड़ा मामला अनूपपुर जिले की नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में सामने आया है। यहाँ नगर परिषद कार्यालय के नए भवन का निर्माण बिना किसी सक्षम स्वीकृति और ड्राइंग-डिजाइन के ही शुरू कर दिया गया। इस गंभीर लापरवाही और प्रशासनिक अनियमितता पर कड़ा रुख अपनाते हुए संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास (भोपाल) ने परिषद के दो बड़े अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए भोपाल मुख्यालय तलब किया है।

**शिकायत के बाद खुली पोल:** दरअसल शहडोल संभाग के संयुक्त संचालक की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ था कि परिषद कार्यालय के निर्माण में तकनीकी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। बिना ले-आउट फाइनल किए और बिना ड्राइंग-डिजाइन के अनुमोदन के ही ठेकेदार से काम शुरू करवा दिया गया। इस मामले की शिकायत उच्च स्तर पर की गई थी, जिसके बाद भोपाल से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

**इन पर गिर सकती है गाजः** उप संचालक भविष्य खोबरागड़े द्वारा जारी पत्र के अनुसार, इन दो जिम्मेदारों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा जिसमे राममिलन तिवारी प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी CMO मानशाह कुंजाम उपयंत्री (Sub-Engineer) 12 फरवरी को आयुक्त की कोर्ट में पेशीविभागीय आदेश के तहत दोनों अधिकारियों को 12 फरवरी 2026 को दोपहर 3ः00 बजे आयुक्त के समक्ष पेश होकर अपना स्पष्टीकरण देना होगा। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्माण से जुड़े समस्त मूल

## ग्यारसपुर में हुआ आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, अधिकारियों ने सीखे बचाव के गुर

विदिशा। मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा ट्रेनिंग एंड कैपेसिटी बिल्डिंग डिजास्टर रिस्पॉन्स प्रोग्राम के अंतर्गत बाढ़ आपदा राहत, खोज एवं बचाव विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विदिशा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार ग्यारसपुर स्थित जनपद पंचायत के हॉल में संपन्न हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)